वार्षिक विवरण- २०२१-२०२२

युग दृष्टा आचार्य भगवंत गुरुवर विद्यासागर जी महाराज की अद्वितीय साधना एवं विश्व पर उनकी सीमातीत करुणा की अभिव्यक्ति है "प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ"।

जहां संस्कार एवं संस्कृति के गवाक्ष से कन्या रूपी बीच के उत्थान की अनगिनत संभावनाओं को समुचित खाद्य पानी देकर उन्हें वट वृक्ष का रूप देने का अदभुतम कार्य किया जाता है। आज 300 छात्राओं रूपी पौधों के साथ यह बट वृक्ष बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

पाठ्य सहगामी गतिविधियां- शिक्षा का कार्य व्यक्तित्व का संपूर्ण तथा सर्वांगीण विकास करना है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक और आध्यात्मिक पहलुओं के विकास से ही व्यक्ति के व्यक्तित्व सर्वांगीण विकास हो सकता है। इन पहलुओं के विकास के लिए ही पाठ्य सहगामी क्रियाएं शिक्षा का अनिवार्य एवं अभिन्न अंग है।

ऐसी शिक्षा व संस्कारों की पवित्र भूमि प्रतिभास्थली में छात्राओं के सुंदर व सर्वांगीण व्यक्तित्व के निर्माण हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। छात्राएं उत्साह रुचि उमंग के रंगों से भरी हुई विभिन्न पाठ्य सहगामी क्रियाएं करती है।

पुरस्कार वितरण समारोह- वर्ष भर में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 'वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह' में विशिष्ट अतिथि द्वारा सम्मानित किया जाता है कुशल निर्देशन में संचालित विद्यालयीन प्रशासन और शिक्षकों की कलात्मक, रचनात्मक और ज्ञानात्मक क्षमता के परिणाम स्वरूप ही छात्राओं में कलाओं का विकास हो रहा है।

प्रशिक्षित शिक्षिकाएँ- प्रतिभास्थली उन 44 प्रतिभा संपन्न शिक्षिकाओं के समूह से गौरवान्वित है जो पूर्ण प्रशिक्षित और अनुभवी होने के साथ-साथ समर्पित होकर अपनी नि:शुल्क सेवाएं प्रदान कर रहीं हैं। आधुनिक परिवेश में आवश्यक तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ हमारे पास शारीरिक शिक्षा, संगीत, नृत्य, योगा, कला और शिल्प पाककला, सिलाई, हथकरघा, बुनाई आदि के अध्ययन हेतु शिक्षिकाओं का एक उत्साही समूह है जो प्राचीन और आधुनिक शिक्षण विधियों के द्वारा छात्राओं को विभिन्न विषयों में पारंगत कर रही हैं। हमारे पास 10 सहायक कर्मचारी भी हैं जिनमें सफाईकर्मी, चौकीदार, चपरासी, आदि शामिल हैं।

अभिभावक शिक्षा वार्ता (पी.टी.एम)- कोरोना काल में शिक्षिकाओं से दूर रही छात्राओं में विद्यालय वापस आने पर वैचारिक एवं नैतिक परिवर्तन देखे गए। आधुनिक परिवेश में मोबाइल और इन्टरनेट की दुनिया में गुमराह होती पीढ़ी से अभिभावकों को अवगत कराया गया। शिक्षा एवं संस्कारों का ह्रास जो विगत 2 वर्षों में हुआ, इस ओर अभिभावकों का ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी लाडलियों के प्रति उनके दायित्व एवं कर्तव्यों के प्रति जागृत किया गया।

विद्यालय कार्य समिति- लोकतंत्र पद्धति पर आधारित विद्यालय कार्य समिति के गठन के लिए मतदान रीति का प्रयोग करते हुए समस्त छात्राओं से निरपेक्ष मतदान लिया गया। जिसमें सुश्री प्रिंसी जैन कक्षा 10वीं को विद्यालय अध्यक्ष, सुश्री परिधि जैन कक्षा 9वीं को उपाध्यक्ष एवं सुश्री वाणी जैन कक्षा 10वीं को प्रधानमंत्री के पद पर आरुण करते हुए स्वच्छता मंत्री, खाद्य मंत्री, शिक्षा मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, खेल मंत्री, अनुशासन मंत्री एवं सांस्कृतिक मंत्री का चुनाव किया गया। छात्राओं में नेतृत्व कर्ता के गुणों का विकास हो इस उद्देश्य को लेकर विद्यालय की समस्त छात्राओं को लोकतंत्र व्यवस्था की जानकारी दी गई। शपथ ग्रहण समारोह में प्राचार्य सुश्री रूपाली जैन की अध्यक्षता एवं वार्ड पार्षद की गरिमामयी उपस्थिति में कार्य समिति के सभी सदस्यों ने शपथ ग्रहण की।

महत्वपूर्ण दिवस - देश की विभिन्न संस्कृति एवं परंपरा का संवर्धन त्योहारों के माध्यम से ही होता है। और उसी संस्कृति एवं परंपरा को मूर्त रूप देते हुए देश की राष्ट्रीय, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों को अपनी बुद्धि एवं उच्च अभिव्यक्ति के माध्यम से सभी के समक्ष प्रस्तुत किया।भारत को पुनः प्रतिभारत के रूप में स्थापित करता स्वतंत्रता दिवस, सम्पूर्ण विश्व को एकता के सूत्र में बांधने का संकल्प दिलाता रक्षाबंधन। छात्राओं ने स्वयं शिक्षिका बनकर गुरु के महत्त्व को बताता शिक्षक दिवस, अहिंसा के मार्ग पर चलकर देश कू आजाद कराने वाले बापू की याद दिलाती गाँधी जयंती के साथ खुशियों का उजाला प्रत्येक जीवन में व्याप्त हो इस कामना को लिए दीपावली, शरद पूर्णिमा, बाल दिवस, गणतंत्र दिवस, मकर संक्रांति, महावीर जयंती आदि त्योहार विशेष उत्साह और उमंग के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए मनाए गए।

मार्गदर्शन और परामर्श- विद्यालय में छात्राओं के उज्जवल भविष्य के निर्माण हेतु समय-समय पर शैक्षणिक परामर्श के अलावा उनके नैतिक, भावनात्मक, सामाजिक, व्यक्तिगत एवं आध्यात्मिक विकास हेतु भी अनुभवी सुधि सजग परिपक्व शिक्षिकाओं द्वारा परामर्श दिया जाता है।

सह शैक्षिक गतिविधियां- छात्रों की बौद्धिक प्रखरता के साथ उनकी शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और संवेदनात्मक विकास को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में अनेक सह-शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। छात्राओं के व्यक्तित्व के सामंजस्य पूर्ण विकास को सुनिश्चित करने एवं अनुभवों के विस्तार में यह गतिविधियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। योग, चित्रकला, हस्तशिल्प, प्राणायाम, पाककला, नृत्य, संगीत आदि के माध्यम से उनकी रूचि एवं कलात्मक कौशल को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

शैक्षणिक भ्रमण- कक्षा नौवीं एवं दसवीं की छात्राओं के बौद्धिक, आध्यात्मिक एवं रचनात्मक संवर्धन हेतु छात्राओं को आठ दिवसीय भ्रमण कराया गया। महाराष्ट्र प्रांत के भ्रमण के दौरान छात्राओं ने विभिन्न ज्ञानवर्धक जानकारियों को एकत्रित किया, साथ ही साथ मनोरंजन एवं आध्यात्मिक उन्नति का रास्ता भी प्रशस्त किया। सर्वप्रथम छात्राओं ने जैन तीर्थ क्षेत्र मुक्तागिरी की वंदना की वहां के धार्मिक वातावरण से ऊर्जा एकत्रित कर गुरु चरणारविंद में भक्ति एवं उत्साह लेकर पहुंची। गुरु के एक-एक मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद को आज्ञा मानकर सहर्ष स्वीकार किया।

शारीरिक विकास एवं मनोरंजन हेतु मुंबई स्थित इमैजिका पार्क, विज्ञान की उन्नत तकनीकों से परिचय, लुनावला एवं खंडाला के प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लिया, वैक्स म्यूजियम में जाकर भारतीय कला का अद्भुत परिचय, ज्ञान वर्धन हेतु मुंबई स्थित आई लव साइंस एवं नक्षत्र-भवन (प्लैनिटेरीअम) में विज्ञान, तकनीकी, स्पेस साइंस के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियों के साथ विभिन्न यंत्रों की कार्य प्रणालियों से परिचय प्राप्त कर किडजोनिया में व्यवसायिक क्षेत्रों की गतिविधियों को स्वयं करके अनुभव प्राप्त किया और गेटवे ऑफ इंडिया होते हुए जुहु बीच पर समुद्र की शांत लहरों के साथ अद्भुत शांति का अनुभव किया और अपनी यात्रा को विराम दिया।

शैक्षिक कार्यक्रम- इस सत्र की परीक्षाएं विद्यालय की शिक्षिकाओं के निर्देशन में संचालित हुई। जिनमें तीन आवधिक परीक्षाएं, परियोजना कार्य और कक्षा गतिविधियां भी संपन्न कराई गई। कक्षा 9 वीं तक के परीक्षा परिणाम मार्च महीने में घोषित किए गए।

विवरण के अंत में, मैं इस संस्था पर बरसने वाले आशीर्वाद के लिए सर्वशक्तिमान ईश्वर और आचार्य श्री जी को नमन करती हूं। हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और बच्चों के चरित्र निर्माण के अपने प्रयास में माता-पिता के सहयोग और उनके रचनात्मक सुझावों का भी समावेश करते हैं। सबका सहयोग और हमारे प्रयोग से संचालित यह विद्यालय सतत विकासोन्मुखी बना रहे यही हमारा उद्देश्य है।

प्राचार्या
प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ
ग्राम-रेवती, इन्दौर(म.प्र.)453555